

सीएमओ ने इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक पैदल चलकर जाना हाल

2 दिन में गड़े भरने का अल्टीमेटम

खबर संक्षेप
पंचायत भवन बना मयखाना, जाम छलकाते दिखे पटवारी



शहडोल। शासकीय कार्यालयों की मर्यादा और प्रशासनिक संवेदनहीनता को तार-तार करके वाला एक शर्मनाक मामला सामने आया है। जैतपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बोकरमार के पंचायत भवन में हल्का नंबर 54 के पटवारी ज्ञान सिंह मार्को दिनदहाड़े शराब और कबाब की पार्टी करते कैमरे में कैद हुए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना 25 अगस्त की बताई जा रही है। अपनी फॉर्मर आईडी बनावने की आस में जब ग्रामीण और किसान पंचायत भवन पहुंचे, तो सरपंच कक्ष का नजारा देखकर स्तब्ध रह गए। सरकारी टेबल पर शराब की बोतलें और चखना सजा हुआ था। जब ग्रामीणों ने इस अमर्यादित कृत्य का विरोध किया, तो नशे में धुत पटवारी उल्टे उम्र पर ही भड़क उठे। ग्रामीणों का आरोप है कि काम करने के बजाय पटवारी अपनी कथित राजघराना पृष्ठभूमि का धीस जमाने लगे और अधिकारियों का डर न होने की बात कहकर अमर्याद करने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, पटवारी बीते दस वर्षों से एक ही हल्के में पदस्थ हैं और पंचायत भवन में इस तरह की अराजकता अक्सर देखने को मिलती है। परेशान ग्रामीणों ने इस कृत्य का वीडियो बनाकर एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक को सौंपते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई थी। जब अधिकारियों की चुप्पी नहीं टूटी, तो हताश होकर ग्रामीणों ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। किसानों के हक के केंद्र को मयखाने में तब्दील करने वाली इस घटना ने पूरी राजस्व व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि उच्चाधिकारी इस बेलगाम कर्मचारी पर क्या कदम उठाते हैं।

लोक सेवा गारण्टी के तहत चिन्हित सेवाओं के दर्ज प्रकरणों में 99 प्रतिशत प्रकरणों का किया गया निराकरण



शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने समय-सीमा की बैठक में लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के तहत सिटीजन चार्टर में निर्धारित समय-सीमा में दी जाने वाली चिन्हित सेवाओं के आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में पाया गया कि इस सप्ताह लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के 99 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण संबंधित पीठासीन अधिकारियों द्वारा कर दिया गया है। जिले में कोई भी प्रकरण समय-सीमा के बाहर लंबित नहीं है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित व्याख्यायीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय पर व्याख्यान में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए कहा कि इस कार्य में जो इस सप्ताह प्रगति हुई है उसे निरंतर बनाए रखें। कलेक्टर ने हिट एण्ड रन के लंबित प्रकरणों का निराकरण कर प्रभावित परिवार को सहायता राशि देने के साथ ही राहवेर योजना के प्रकरणों का समय पर निराकरण के निर्देश संबंधित एसडीएम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा परिवहन अधिकारी को दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, डीएफओ तरुणा वर्मा, श्रद्धा पेंडे, अपर कलेक्टर संरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, एसडीएम श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्योहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर श्री दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्नमिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि संकाय की अव्यवस्थाओं पर मड़का एनएसयूआई, कुलपति को सौंपा ज्ञापन, उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

शहडोल। पं. शंभुनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में व्याप्त शैक्षणिक और परीक्षा संबंधी अव्यवस्थाओं का लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में प्रतिनिधियों के एक दल ने विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और छात्रहित से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान की पुरजोर मांग की। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन कृषि संकाय के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। उन्होंने कहा कि 6 महीने के निर्धारित पाठ्यक्रम को महज 3 माह में समाप्त करने का दबाव बनाया जा रहा है, जो व्यावहारिक रूप से असंभव और अनुचित है। छात्रों को अध्ययन के लिए पर्याप्त समय देने के साथ-साथ समय-सारणी में तत्काल संशोधन की मांग उठाई गई। मुख्य परीक्षा से पहले मध्य-अवधि परीक्षा (मिड-टर्म) अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। प्रथम वर्ष के पूरक (एटीकेटी) परीक्षा के परिणाम अविलंब घोषित किए जाएं ताकि आगामी पढ़ाई प्रभावित न हो। परीक्षा आवेदन पत्र भरने के लिए विद्यार्थियों को कम से कम 15 दिवस का समय प्रदान किया जाए। परिसर में स्थित



शहडोल। नगर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और बहुप्रतीक्षित मॉडल रोड के निर्माण कार्य को गति देने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। गुरुवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी खुद सड़कों पर उतरीं और निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को दो टूक लहजे में हिदायत दी कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएमओ श्रीमती भंडारी ने इंदिरा चौक से लेकर न्यू बस स्टैंड तक बन रही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड (मॉडल रोड) का 1 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तक पैदल चलकर बारीक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थल की वर्तमान स्थिति देखी और कार्य की



बीचों-बीच पड़ी गहरी दरार, बाहर निकली सरिया, मंडरा रहा हादसे का खतरा

उफान पर कसेढ़ नदी, पुल पर जानलेवा जोखिम

शहडोल। जिले में लगातार जारी बारिश के बीच जैतपुर ब्लॉक से एक डरावनी और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करने वाली तस्वीर सामने आई है। खामिडोल-जैतपुर मार्ग पर स्थित कसेढ़ नदी का पुल तेज बहाव और भारी बारिश के चलते बीचों-बीच दरक गया है। कंन्नीट टूटने से पुल के अंदर लगी लोहे की छड़ें (सरिया) बाहर निकल आई हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

जिले में अब तक कुल 1001.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले वर्ष (930.2 मिमी) की तुलना में अधिक है। बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं और जलस्तर बढ़ने से कसेढ़ नदी के तेज बहाव का सीधा दबाव इस क्षतिग्रस्त पुल पर पड़ रहा है। पुल की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि यह कभी भी दो हिस्सों में बंटकर धराशायी हो सकता है।

सबसे गंभीर बात यह है कि स्थिति भयावह होने के बावजूद अब तक जिम्मेदार विभाग की नींद नहीं खुली है। पुल के दोनों ओर न तो आवागमन रोकने के लिए



कोई बैरिकेडिंग की गई है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाया गया है। राहगीर और वाहन चालक अपनी जिदगी दांव पर लगाकर इस दरके हुए पुल से गुजरने को मजबूर हैं। समय रहते यदि लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सज्जन लेकर पुल पर यातायात प्रतिबंधित नहीं किया और तत्काल मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराया, तो यह अनहोनी को खुला निमंत्रण देने देगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार किए बिना प्रशासन तुरंत एक्शन ले।

मलबे में दबे पति-पत्नी और मासूम बच्ची, ग्रामीणों ने बचाई जान सोते परिवार पर ढहा खपरैल मकान

शहडोल। जिले भर में रुक-रुक कर हो रही आफत की बारिश अब कच्चे और जर्जर मकानों पर का बलनकर टूटने लगी है। धनपुरी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-5 (काली मंदिर के समीप) में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां देर रात बारिश के दौरान एक कच्चा खपड़ैल मकान अचानक भरभराकर ढह गया, जिसके मलबे में सो रहा पूरा परिवार दब गया। घटना के वक्त घर के भीतर संतोष बर्मन, उनकी पत्नी साधना बर्मन और मासूम बच्ची गुनगुन गहरी नींद में थे। अचानक छत और दीवारें गिरने से तीनों मलबे के नीचे समा गए। हादसे के बाद मलबे में दबे परिवार की चौख-पुकार सुनकर



आसपास के लोग बिना वक्त गंवाए राहत कार्य में जुट गए। पड़ोसियों ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत

को अंदरूनी और गंभीर चोटें आई हैं।मकान ढहने से पीड़ित परिवार की पूरी गृहस्थी मलबे में तब्दील हो गई है। राशन, कपड़े और घर का सारा सामान क्षतिग्रस्त हो गया है। इस हादसे के बाद पूरा परिवार गहरे सदमे और दहशत में है। लगातार हो रही बारिश ने क्षेत्र में स्थित अन्य कच्चे व जर्जर मकानों के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा कर दिया है। इस घटना ने एक बार फिर बारिश के दिनों में जर्जर मकानों में रह रहे निर्धन परिवारों की सुरक्षा और स्थानीय निकाय की उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा देने और पक्के मकान की व्यवस्था कराने की मांग की है।

अब बिना पहचान दिए न मिलेगा कमरा, न मिलेगा काम!

शहडोल। शहर में अगर आप यह सोचकर घूम रहे हैं कि अरे भाई, हमें कौन जानता है!, तो अपनी यह गलतफहमी तुरंत दूर कर लीजिए। शहडोल के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जायसवाल ने पूरे जिले में ऐसा चाक-चौबंद सुरक्षा घेरा बना है कि अब बिना पहचान पत्र और मोबाइल नंबर दिए यहां पता भी नहीं हिलने वाला। जिले में कानून-व्यवस्था को एकदम टनाटन रखने, जान-माल की हिफाजत करने और शांति का माहौल बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। सीधे बात यह है कि अब शहडोल में अपनी पहचान छिपाकर मिस्टर इंडिया बनने का जमाना खत्म हो चुका है।

अब हर रुकने वाले पर पैनी नजर

अगर आप सोचते हैं कि किसी होटल, लॉज, रैन बसेरा या धर्मशाला में चुपचाप आकर रुक जाएंगे और किसी की कानो-कान खबर नहीं होगी, तो भूल जाइए! अब हर ठहरने वाले व्यक्ति की सूची आईडी प्रूफ के साथ प्रतिदिन संबंधित थाने को भेजी जाएगी। इसके अलावा, पुलिस द्वारा शुरू किए गए नए अतिथि पोर्टल पर भी रोजाना एंट्री चढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं, टेक-इन्फो की दुनिया में शहडोल पुलिस अब दो कदम आगे चल रही है, रुकने वालों और किराएदारों की पूरी हिस्ट्री सॉफ्टवेयर और मोबाइल फ़ैस रिकग्निशन ऐप से खंगाली जाएगी। यानी अगर किसी के सिर पर कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड तैर रहा होगा, तो ऐप एक सेकेंड में चेहरा पहचानकर पुलिस को इशारा कर देगा। वहाँ, अगर कोई विदेशी मेहमान जिला के सीमा में कदम रखता है, तो उसकी खबर तुरंत



उन्होंने तत्काल सफाई कराने के आदेश दिए। सीएमओ ने निर्देश दिए कि दुकानों और मकानों के सामने जमा निर्माण सामग्री को तुरंत हटया जाए ताकि आम जनता को चलने-फिरने में कोई बाधा न हो। साथ ही, निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए समुचित डायवर्सन बोर्ड लगाने और वैकल्पिक मार्ग बनाने के निर्देश भी दिए गए। मैदानी निरीक्षण के दौरान स्थानीय दुकानदारों एवं आम नागरिकों ने सीएमओ को सड़क निर्माण के कारण आ रही व्यावहारिक समस्याओं से अवगत कराया। श्रीमती भंडारी ने सभी शिकायतों को संजीदगी से सुना और अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने

शहडोल में ‘अज्ञात’ की खैर नहीं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कसी कमर

अब बिना पहचान दिए न मिलेगा कमरा, न मिलेगा काम!

शहडोल। शहर में अगर आप यह सोचकर घूम रहे हैं कि अरे भाई, हमें कौन जानता है!, तो अपनी यह गलतफहमी तुरंत दूर कर लीजिए। शहडोल के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जायसवाल ने पूरे जिले में ऐसा चाक-चौबंद सुरक्षा घेरा बना है कि अब बिना पहचान पत्र और मोबाइल नंबर दिए यहां पता भी नहीं हिलने वाला। जिले में कानून-व्यवस्था को एकदम टनाटन रखने, जान-माल की हिफाजत करने और शांति का माहौल बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। सीधे बात यह है कि अब शहडोल में अपनी पहचान छिपाकर मिस्टर इंडिया बनने का जमाना खत्म हो चुका है।

अब हर रुकने वाले पर पैनी नजर

अगर आप सोचते हैं कि किसी होटल, लॉज, रैन बसेरा या धर्मशाला में चुपचाप आकर रुक जाएंगे और किसी की कानो-कान खबर नहीं होगी, तो भूल जाइए! अब हर ठहरने वाले व्यक्ति की सूची आईडी प्रूफ के साथ प्रतिदिन संबंधित थाने को भेजी जाएगी। इसके अलावा, पुलिस द्वारा शुरू किए गए नए अतिथि पोर्टल पर भी रोजाना एंट्री चढ़ाना अनिवार्य कर दिया गया है। इतना ही नहीं, टेक-इन्फो की दुनिया में शहडोल पुलिस अब दो कदम आगे चल रही है, रुकने वालों और किराएदारों की पूरी हिस्ट्री सॉफ्टवेयर और मोबाइल फ़ैस रिकग्निशन ऐप से खंगाली जाएगी। यानी अगर किसी के सिर पर कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड तैर रहा होगा, तो ऐप एक सेकेंड में चेहरा पहचानकर पुलिस को इशारा कर देगा। वहाँ, अगर कोई विदेशी मेहमान जिला के सीमा में कदम रखता है, तो उसकी खबर तुरंत

एफआरआरओ शाखा शहडोल को देनी होगी।

मकान मालिक ध्यान दें: बिना थाने गए न दें चाबी!

अक्सर देखा जाता था कि मकान मालिक और दुकान मालिक अरे अपने ही जान-पहचान का बंदा है कहकर किसी की भी बिना जांच-परख के किराए पर रख लेते थे, लेकिन अब ऐसा फरमान आया है कि बिना पुलिस थाने में निर्धारित फॉर्म में सूचना दिए किराएदार या पेंडिंग गेस्ट को चाबी थमाना सीधा मुसीबत को न्योता देना होगा। किराएदार साहब का बाकायदा आईडी प्रूफ और चालू मोबाइल नंबर लेना अनिवार्य कर दिया गया है। यही नियम घर में काम करने वाली बाई, झाड़ू-पोछा वाले, खाना बनाने वाले और व्यावसायिक कर्मचारियों पर भी लागू होगा। यानी अब रामू काका को काम पर रखने से पहले उनकी पूरी कुंडली थाने में जमा करानी होगी।

कूरियर बॉय से लेकर स्पा सेंटर तक... सब ऑन रिकॉर्ड

शहर में बेलगाम घूम रहे डिलीवरी बॉयज और



शहरवासियों को आश्चस्त किया कि निर्माण के दौरान न्यूनतम असुविधा होने दी जाएगी।

नगर पालिका अधिकारी ने सभी उपयंत्रियों की क्लास लेते हुए निर्देश दिए कि वे केवल दफ्तरों में न बैठें, बल्कि नियमित रूप से मौके पर उपस्थित रहकर काम की गुणवत्ता और गति पर निगरानी रखें। ठेकेदारों को चेताया गया कि समयावधि में और मानक गुणवत्ता के साथ काम पूरा न होने पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपयंत्री एस.एस. तोमर, पुनीत त्रिपाठी, शरद द्विवेदी, अरुण तिवारी, बिजली विभाग के रंजीत खेरवार समेत संबंधित ठेकेदार और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शहडोल में ‘अज्ञात’ की खैर नहीं कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने कसी कमर

प्राइवेट सिव्कॉरिटी गाइड्स पर भी प्रशासन ने नकेल कस दी है। घर-घर जाकर पार्सल पहुंचाने वाले हर कूरियर और डिलीवरी बॉय का डेटा (आईडी और नंबर) अब थाने के रजिस्टर में दर्ज होगा। स्पा सेंटर, मसाज सेंटर और ब्यूटी पार्लर में काम करने वाले एक-एक कर्मचारी की जानकारी विहित प्रारूप में थाने भेजी जाएगी। बड़े-बड़े ठेकेदारों को हिदायत दी गई है कि भवन निर्माण में लगे मजदूरों और कारीगरों का ब्योरा पुलिस को सौंपने के बाद ही उन्हें फावड़ा-तसला थमाएं। यदि आपके घर या परिसर में कोई भी व्यक्ति 15 दिनों से ज्यादा समय से टिका हुआ है, तो उसकी तत्काल सूचना थाने को देना अनिवार्य है।

सुरक्षा से समझौता कतई नहीं

मामले की संवेदनशीलता और सुरक्षा को देखते हुए यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत एकपक्षीय रूप से लागू कर दिया गया है। कलेक्टर साहब का सीधा संदेश है, जनसामान्य की सुरक्षा सर्वोपरि है। हालांकि, अगर किसी संस्था या नागरिक को इस आदेश से किसी प्रकार की व्यावहारिक परेशानी है या वे छूट चाहते हैं, तो वे कलेक्टर न्यायालय के समक्ष विधिवत आवेदन दे सकते हैं, जहाँ सम्यक सुनवाई के बाद फैसला लिया जाएगा। लेकिन ध्यान रहे! अगर किसी ने इस आदेश को हलके में लिया या उल्लंघन करने की जुर्रत की, तो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य कड़ी धाराओं के तहत ऐसी कानूनी खातिरदारी होगी कि अगली बार कानून का पालन करना खुद-ब-खुद याद आ जाएगा। इसलिए समझदारी इसी में है कि आईडी कार्ड जेब में रखें, फॉर्म भरें और शहडोल को सुरक्षित बनाने में जिला प्रशासन का सहयोग करें।

विवेक पब्लिक एवं सत्य साई स्कूल में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 1 सितंबर से 3 सितंबर 2026 के मध्य जन्माष्टमी पर्व मनाए जाने के क्रम में विवेक पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, गणेश मंदिर के सामने, इंदिरा चौक, शहडोल एवं सत्य साई हंग्लिश मीडियम स्कूल, शहडोल में 3 सितंबर को जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के मध्य राधा-कृष्ण वेशभूषा प्रतियोगिता आयोजित की गई। नन्हे-मुन्हे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के मनमोहक स्वरूप में सज-धजकर विद्यालय पहुंचे। उनकी आकर्षक वेशभूषा, मुकुट, बांसुरी एवं पारंपरिक श्रृंगार ने पूरे कार्यक्रम में भाविकमय वातावरण बना दिया। राधा-कृष्ण की मनमोहक जोड़ियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को आकर्षक एवं सुंदर बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं ने विशेष योगदान दिया। उन्होंने छात्राओं को उनके वस्त्रों एवं फूलों के माध्यम से सुंदर ढंग से सजाया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता निगम, संचालक डॉ. गोपाल प्रसाद निगम सहित शिक्षक उमाकांत वर्मा, रामकरण मिश्रा, गुलजार सिंह,



दिलीप सोनी, खान सर, सुश्रुषा खान, निधि त्रिपाठी, सुश्रुभा खान, गुलपरा खान, गजाला खान, विधि वर्मा, पूजा सिंह बघेल, कॉलोनी वर्मा, रीना रजक, भगवती प्रजापति एवं श्रीमती पूनम सिंह की विशेष उपस्थिति रही। विद्यालय संचालक डॉ. गोपाल प्रसाद निगम ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं धार्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलता है। अंत में श्री राधा-कृष्ण की आरती एवं वंदना की गई और प्रसन्नतापूर्ण वातावरण में कार्यक्रम का समापन हुआ।

समस्त प्रसाधनों (वॉशरूम) और शीतल जल संयंत्रों (वाटर कूलर) की नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित की जाए।

संगठन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विद्यार्थियों के अधिकारों और भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन जायज मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो संगठन लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहकर उग्र जन-आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जवाबदेही विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला उपाध्यक्ष सिमरन कौर, सोशल मीडिया अध्यक्ष महेंद्र यादव, विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपाशु गुप्ता, जिला महासचिव आशु सिंह, शिवम तिवारी, दीपक साहू, अतुल कुशवाहा, सुमित सेंगर, पीयूष जायसवाल, प्रवीण गुप्ता, सचिन, अमन यादव, वीरू यादव, शिवांशु साहू, अमितेश सेन, हिमांशु गुप्ता, जतिन गुप्ता, कुणाल गौतम, हर्षित बघेल, अर्पित सेन, पुष्पेंद्र और मोहित जायसवाल समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।



पौराणिक आख्यान और लोक-भवित के रंगों से सजेगा ‘श्रीकृष्ण पर्व’

उमरिया। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, उनकी लीलाओं और भक्ति परंपरा को कला के विविध माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, उमरिया के सहयोग से ‘श्रीकृष्ण पर्व’ का आयोजन किया जा रहा है। यह सांस्कृतिक संंध्या 4 सितम्बर, 2026 को सायं 7 बजे से मां बिरासिनी क्रिकेट स्टेडियम, पाली (उमरिया) में आयोजित होगी। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण आख्यान पर आधारित नृत्य, नाट्य और भक्ति गायन की प्रस्तुतियां होंगी। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि ‘श्रीकृष्ण पर्व’ के अंतर्गत मथुरा प्रवेश प्रसंग को नृत्य-नाटिका के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। इस प्रस्तुति में भुवनेश्वर की सुप्रसिद्ध कलाकार सुश्री समिष्ठा रानी पांडा एवं साथी श्रीकृष्ण से जीवन से जुड़े प्रसंगों को शास्त्रीय नृत्य और नाट्य की भावपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ मंच पर प्रस्तुत करेंगे। नृत्य-नाटिका के माध्यम से श्रीकृष्ण के लीलाओं, उनके व्यक्तित्व और धर्म-संस्कृति के व्यापक संदेश को कलात्मक रूप प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण भक्ति गायन होगा। श्री अखिलेश राजा एवं साथी, जबलपुर भक्ति संगीत की प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को कृष्णमय बनाएंगे। भजनों और भक्तिमय गायन के माध्यम से श्रद्धा, प्रेम और समर्पण की भावधारा प्रवाहित होगी। उन्होंने बताया कि ‘श्रीकृष्ण पर्व’ का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति तक सीमित न होकर श्रीकृष्ण के जीवन और उनके लोकमंगलकारी संदेशों को कला एवं संस्कृति के माध्यम से समाज तक पहुंचाना है। भगवान श्रीकृष्ण भारतीय सांस्कृतिक चेतना में प्रेम, करुणा, कर्म, नीति और लोककल्याण के प्रतीक रहे हैं। उनके जीवन से जुड़े आख्यान देश की विविध लोक एवं शास्त्रीय कला परंपराओं को निरंतर प्रेरणा देते रहे हैं। कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

सागरेश्वर नाथ मंदिर में आज धूमधाम से मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी

उमरिया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी जिले में हथौल्लास एवं भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। स्थानीय प्राचीन एवं सिद्ध सागरेश्वर नाथ मंदिर (सगरा मंदिर) परिसर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भव्य कृष्ण जन्माष्टमी समारोह 4 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के श्री कृष्ण पाथेय न्यास (संस्कृति विभाग) के तत्वाधान में प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय सहयोगी संस्था के तौर पर उमरिया की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध संदेश नाट्य मंच समिति (रंगमंडल) तथा संस्था के निदेशक पंकज दुबे को नियुक्त किया गया है। सगरा मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान भजन-कीर्तन, नौनिहालों द्वारा राधा-कृष्ण की मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां तथा प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव होगा। आयोजकों ने नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों, वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में सहभागिता की अपील की है। क्षेत्रीय स्तर पर कार्यक्रम का संचालन संदेश नाट्य मंच समिति (रंगमंडल) के सदस्य राहुल गौतम द्वारा किया जाएगा।

डीवीएम पब्लिक स्कूल में भक्तिभाव से मनाई जन्माष्टमी

राधा-कृष्ण की वेशभूषा, नृत्य, मटकी फोड़ व रचनात्मक प्रतियोगिताओं ने बांधा सनां

अमलाई। डीवीएम पब्लिक स्कूल अमलाई में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हथौल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। विशेष प्राथमि सभा के साथ विद्यार्थियों के लिए गीत, भाषण, नृत्य, मटकी फोड़ सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। एलकेजी से कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थी राधा-कृष्ण की वेशभूषा में नजर आए और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा तीसरी में बांसुरी सजावट, कक्षा चौथी-पांचवीं में मटकी सजावट तथा कक्षा छठवीं-सातवीं में झूला निर्माण प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों ने आयोजन को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों से परिचित कराया गया। बताया गया कि श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा में माता देवकी और पिता वासुदेव के घर हुआ था तथा उनका पालन-पोषण गोकुल में नंद बाबा और माता यशोदा ने

राहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

हरिभूमि

6

कलेक्टर सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों का किया भ्रमण

शासकीय संस्थाओं का किया निरीक्षण



उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी भवन, आरोग्य केंद्र, उचित मूल्य दुकान, पशु औषधालय , छात्रावास एवं शैक्षणिक संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा संचालित गतिविधियों के विषय में पूछताछ की। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने तहसील कार्यालय चंदिया का निरीक्षण किया तथा भवन की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इसे वैकल्पिक तौर पर अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। उन्होंने तहसील भवन के समीप ही निर्मित बस स्टैंड के भवन में अस्थाई रूप से तहसील भवन को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को निर्देशित किया कि एक सप्ताह में भवन से सामग्री शिफ्ट की



जाए। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि बस स्टैंड भवन के सामनें मरूम आदि डालकर आवागमन व पार्किंग स्थल की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि कंपोजिट तहसील भवन की कार्य योजना अविलंब प्रस्तुत करें ताकि शासन स्तर से स्वीकृति की कार्यवाही कराई जा सके। कलेक्टर ने कन्या विद्यालय चंदिया में पठन पाठन की व्यवस्था का अवलोन कर मध्यान्ह भोजन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किचन शोड निर्माण कराने के निर्देश देते हुए विद्यालय की अधूरी बाउण्ड्रीवाल को बनाने के निर्देश दिए। बालक उमावि के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों के फर्नीचर सुधरवाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।

भ्रमण के क्रम में कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान लोढ़ा का निरीक्षण किया। ग्रामवासियों ने वार्ड क्रमांक 9 में अवरूध्द रास्ता को प्रारंभ कराने की मांग कलेक्टर से की। कलेक्टर ने नायब तहसीलदार को मौका मुआयना कर समुचित कार्यवाही के निर्देश



दिए। उन्होंने आरोग्य केंद्र लोढ़ा का निरीक्षण कर उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्राम पंचायत भरौला में पूर्व माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर सहित सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता एवं एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह ने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता चर्ची।उन्होंने ग्रामवासियो से खाद्यान्न वितरण एवं नल जल योजना संचालन की जानकारी प्राप्त की। आरोग्य केंद्र भरौला में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओ के पंजीयन, उनके नियमित उपचार तथा अनमोल पोर्टल में इंट्री के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने पशु उपचार केंद्र भरौला का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिए कि गांव में जाकर पशुओ के उपचार की समुचित व्यवस्था करें। कलेक्टर ने अरोग्य केंद्र व पशु औषधालय भवनों के छत सुधार कार्य कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान विद्युत व्यवस्था कराने व शौचालय निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश



अधिकारियों को दिए। भ्रमण के क्रम मे उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण कलेक्टर ने किया।

कलेक्टर सहित अधिकारियों ने क्रीडा परिसर भरौला का निरीक्षण किया। परिसर में अव्यवस्था पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा अधीक्षक अरविंद शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्रीडा परिसर में छात्रों को प्राप्त होने वाली खेल सुविधाओं की जानकारी ली तथा छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने हाई स्कूल भरौला का भ्रमण कर छात्र छात्राओ से पठन पाठन एवं खेल सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। संपूर्ण क्रीडा परिसर की देखरेख में स्थितलता बरतने पर जन जातीय कार्य विभाग को नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर व्‍यार दिए गए। भ्रमण के दौरान डिप्टी कलेक्टर कमलेश नौरज, प्रत्युप श्रीवास्तव, सीईओ जनपद पंचायत करकेली, सीएमओ किशन सिंह, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी, तहसीलदार चंदिया सतीश सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आज श्री बांधवाधीश मंदिर भक्तों के लिए खुलेगा

उमरिया। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 4 सितंबर को बांधवगढ टाइनगर रिजर्व की पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक श्री बांधवाधीश मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष में एक बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर श्री बांधवाधीश मंदिर आम जनों के लिए भगवान के दर्शन हेतु खोला जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बांधवगढ टाइनगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर 4 सितंबर को ताला अंतर्गत बांधवगढ टाईनगर रिजर्व क्षेत्र में पार्क के अंदर स्थित बांधवाधीश मंदिर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी लगने वाले मेले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों दंडाधिकारियों एवं कर्मचारियों की कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने डयुटी लगाई है।

संपूर्ण मेला क्षेत्र के लिए अनुविभागीय अधिकारी एवं कार्यपालक दंडाधिकारी मानपुर हरनीत कौर कलसी, राजस्व निरीक्षक बरबसपुर, रायपुर, पटवारी ताला, ताला मेन गेट एवं मेला क्षेत्र गाम ताला के लिए डिप्टी कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक ताला, मानपुर, उमरपुर, अमरपुर, बांधवाधीश मंदिर क्षेत्र के लिए डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट प्रिया अग्रवाल, राजस्व निरीक्षक नजूल, पटवारी मानपुर, शेष शेरा में प्रभारी तहसीलदार एवं कार्यपालक दंडाधिकारी पंकज नयन तिवारी, राजस्व निरीक्षक अधीक्षक मू अमिलेश, पटवारी गोवर्द की डयुटी लगाई है।

उन्होंने कहा है कि सभी कार्यपालक दण्डाधिकारी/कर्मचारी मेला के एक दिवस पूर्व मेला स्थल का भ्रमण कर क्षेत्र संचालक, बांधवगढ टाईनगर रिजर्व से समन्वय करते हुये आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे एवं मेला दिवस 4 सितंबर को अपने-अपने सीपों गये ड्यूटी स्थल पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखते हेतु अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी पी.के. सेनगुप्ता एवं कलेक्टर को समय-समय पर वस्तुस्थिति से अवगत करवाना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

श्रद्धालुओं को लिए बांधवगढ टाइनगर रिजर्व गेट से प्रवेश का समय प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक निर्धारित है। सुरक्षा कारणों से 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों तथा 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का प्रवेश सामान्यतः प्रतिबंधित रहेगा। संरक्षित वन क्षेत्र होने के कारण प्लास्टिक, पॉलिथीन, सिंगल रूफ पानी की बोतल, गुच्छा एवं चिप्स के पैकेट आदि ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। वन्यजीवों की शांति बनाए रखने के लिए तेज आवाज में संगीत बजाने और किसी भी प्रकार का ध्वनि प्रदूषण करने पर भी रोक रहेगी।

हत्याकांड का पर्दाफाश: सेजी के पेड़ नीचे मिली लाश से सुलझी कत्ल की गुत्थी

15 दिन पुरानी रंजिश में लोहे के एंगल से ली थी जान



पहले दुकान के गल्ले से पैसे चोरी होने की बात पर सूरजबली का गणेश के भाई से तीखा विवाद हुआ था, जिसमें जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। पुलिस ने इसी रंजिश को आधार बनाकर अपनी जांच का दायरा बढ़ाया।

शराब पिलाई, फिर उतारा मौत के घाट

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। 26 अगस्त को साजिश के तहत नाबालिग आरोपी सूरजबली को उमरिया ले जाने के बहाने अपने साथ ले गया। रास्ते में आरोपी शंकर सिंह भी उनके साथ शामिल हो गया। दोनों ने पहले सूरजबली को जमकर शराब पिलाई और फिर वापसी के दौरान सुनसान रास्ते पर लोहे के एंगल से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को मुख्य सड़क से दूर झाड़ियों में फेंक दिया गया।

मोटरसाइकिल और आला-ए-कत्ल बरामद

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल और खून से सना लोहे का एंगल बरामद कर लिया है। एसपी विजय भागवानी और एसपी आलोक शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बालेन्द्र शर्मा, सब-इंस्पेक्टर सुभाष यादव, राजेंद्र तिवारी और पूरी पुलिस टीम की इस तत्परता की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है।

सड़क किनारे झाड़ियों में मिला था शव

मामले की शुरुआत 29 अगस्त को हुई, जब सेजी के पेड़ के नीचे एक अज्ञात युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया था। पुलिस ने जब शव की पहचान कराई तो उसकी शिनाख्त सेहराटोला निवासी 30 वर्षीय सूरजबली बैगा के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जिससे स्पष्ट हो गया

कि युवक की नृशंस हत्या की गई है। इसके बाद नौरोजाबाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 238 और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तत्परीा तेज कर दी।

गुल्ला चोरी के शक में पनपी थी दुश्मनी

जांच अधिकारी जब कंडिश्नों को आपस में जोड़ रहे थे, तब एक पुराना विवाद छानबीन का मुख्य केंद्र बना। पड़ताल में सामने आया कि मृतक गांव के ही गणेश प्रजापति की दुश्मनी पर अक्सर आता-जाता था। करीब 15 दिन

छह दिनों की बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, नदी-नाले उफान पर

तेज हवा से जगह-जगह पेड़ गिरे, मकान की दीवार-छत ढही, अंडरपास में पानी भरने से मार्ग बंद

कोतमा। क्षेत्र में छह दिनों से जारी झमाझम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुरुवार को भी सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। नदी-नालों के उफान पर आने के साथ कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी निशा पति योगेश कुमार नामदेव के सीट वाले मकान की दीवार और छत बुधवार रात गिर गई। घटना की शिकायत तहसीलदार और थाने में की गई है।



बारिश के साथ चली तेज हवा से कई स्थानों पर पेड़ भी धराशायी हुए। कोतमा-मनेन्द्रगढ़ मार्ग पर पैरीचुआ गांव जाने वाले तिराहे के पास बुधवार को विशालकाय पेड़ सड़क पार गिर गया। इससे आवागमन बाधित हो गया। आसपास के लोगों ने पेड़ की टहनियां काटकर उसे सड़क किनारे किया, जिसके बाद यातायात बहाल हो सका। जनपद

पंचायत की बाड़ेंड़ी के पास लगा पेड़ भी गिर गया। इधर, बनिया टोला से कलमुड़ी गांव जाने वाले मार्ग के अंडरपास में बुधवार रात करीब आठ बजे पानी भर गया। नगर पालिका ने सुरक्षा के मद्देनजर दोनों ओर बैरी गेट लगाकर मार्ग को बंद कर दिया। इससे इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



सामूहिक सहभागिता की मावना विकसित करना है। संस्था के निदेशक वाचस्पति कुलवंत एवं श्रीमती सुशीला कुलवंत ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं तथा प्रस्तुतियों की सराहना की। आयोजन में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

आज जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा जन्मोत्सव का पर्व कृष्ण

कोतमा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व कृष्ण जन्माष्टमी आज 4 सितंबर को जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित कोयलांचल और ग्रामीण अंचलों में मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाने और विद्युत रोशनी से जगमगाने की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। वहीं नगर की गलियों में पंडाल सजाकर श्रीकृष्ण की प्रतिमा विराजित करने के लिए समितियां भी जुटी हुई हैं।

जन्माष्टमी को लेकर कोतमा में उत्साह, मंदिरों से लेकर बाजार तक सजी कृष्ण भक्ति की रंगत पंचायती मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर और बुढ़ानपुर में होने विशेष आयोजन; आधी रात गुंजेंगा नंद के घर आनंद भयो कोतमा नगर के पंचायती मंदिर में हर वर्ष की तरह इस बार भी कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भव्यता के साथ मनाया जाएगा। पुरानी बस्ती स्थित पीपल चौक के समीप राधा-कृष्ण मंदिर में भी विशेष साज-सजा की जा रही है। मंदिरों में आकर्षक रोशनी का जन्मोत्सव, भव्य आरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा। पंचायती मंदिर के पुजारी पंडित कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को सुबह मंदिर में पूजन-अभिषेक किया जाएगा। रात 8 बजे से अनुसर कीर्तन का आयोजन होगा और मध्यात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का भव्य जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पंडित कुंज बिहारी मिश्रा के अनुसार इस बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसे ज्योतिष शास्त्र में जयंती योग कहा जाता है। यह संयोग करीब 15 साल बाद बन रहा है। इसके अलावा हर्षण योग और



सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन शुभ संयोगों में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करने से शुभ फल और कार्यों में सफलता की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पूजा का शुभ मुहूर्त रात 11:57 बजे से 12 बजे तक रहेगा। जन्माष्टमी को लेकर बाजार में भी रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर बाल गोपाल के लिए आकर्षक पोशाक, मुकुट, मोरपंख, बांसुरी, कंगन, माला, झूले और अन्य सजावटी सामग्री की विभिन्न वैरायटी उपलब्ध हैं। श्रद्धालु अपने घरों में बाल गोपाल को सजाने के लिए पसंदीदा सामान की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदार सौरभ अग्रवाल ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी चींठी, सजावटी सामग्री, झूला, पलंग, पोशाक, पागड़ी, बांसुरी, कंगन, माला सहित कई प्रकार की सामग्री उपलब्ध है।

इस बार बाजार में नई-नई वैरायटी आई हैं, जिन्हें ग्राहक काफी पसंद कर रहे हैं। जन्माष्टमी को लेकर लोगों में खासा उत्साह है और लोग बाल गोपाल को सजाने के लिए उत्सुकता से खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदार सौरभ जैन ने बताया कि बच्चों के लिए राधा-कृष्ण की पोशाक की भी अच्छी मांग है। धोती-कुर्ता, लहंगा-चोली, चुनरी, मोर मुकुट और बांसुरी सहित विभिन्न प्रकार के वस्त्र बाजार में उपलब्ध हैं। इनकी कीमत करीब 300 से 2000 रुपये तक है। उन्होंने बताया कि छोटे बच्चों से लेकर करीब 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए अलग-अलग आकार में पोशाक उपलब्ध हैं। कई आकर्षक पोशाक मथुरा-वृंदावन से मंगाई गई हैं। इसके अलावा विभिन्न डिजाइनों के झूले भी तैयार किए जा रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों के साथ घरों में भी बाल गोपाल के स्वागत की तैयारियां चल रही हैं। श्रद्धालु झूले को गेंदे के फूल, मोतियों, गोटें और अन्य सजावटी सामग्री से आकर्षक रूप देने में जुटे हैं। मथुरा-वृंदावन की तर्ज पर राधा-कृष्ण की पोशाक और श्रृंगार सामग्री इस बार लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मध्यात्रि में जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय होगा, मंदिरों और घरों में शंख-घंटियों के साथ जय श्रीकृष्ण के जयघोष गूंज उठेंगे।

15 साल बाद बना अष्टमी-रोहिणी का विशेष संयोग, आज मनेगी जन्माष्टमी

आधी रात जन्मेंगे कान्हा, मंदिरों में गूंजेगे शंख-घंटे, घर-घर सजेगी बाल गोपाल की झांकियां

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस वर्ष विशेष संयोग के कारण श्रद्धालुओं के लिए खास रहेगा। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ऐसा संयोग करीब 15 वर्षों बाद बन रहा है। यही कारण है कि इस बार जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। शुक्रवार, 4 सितंबर को देशभर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी ने पंचांग के आधार पर बताया कि वर्ष 2026 में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर की रात 2 बजकर 25 मिनट से प्रारंभ होकर 5 सितंबर की रात 12 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। धार्मिक परंपराओं और उदयातिथि को ध्यान में रखते हुए 4 सितंबर को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्मार्त परंपरा में 4 सितंबर और वैष्णव परंपरा में 5 सितंबर को जन्माष्टमी मनाने की मान्यता है।
रोहिणी नक्षत्र का विशेष महत्व
धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण



पक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इसलिए जब जन्माष्टमी के अवसर पर अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का संयोग बनता है तो इसे विशेष पुण्यदायी माना जाता है। इस वर्ष बनने वाले इस संयोग को लेकर मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां की जा रही हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी के अनुसार इस दिन श्रद्धा के साथ भगवान श्रीकृष्ण का पूजन, व्रत, भजन-कीर्तन और जहरूतमंदों की सहायता करना विशेष फलदायी माना जाता है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी का उद्देश्य केवल

उपवास और पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में उतारना भी है।

कंस के अत्याचार से मुक्ति के लिए हुआ था अवतार

पौराणिक कथाओं के अनुसार द्वारप युग में मथुरा का राजा कंस अत्यंत अत्याचारी था। अपनी बहन देवकी और उनके पति वसुदेव को उसने कारागार में बंद कर दिया था। आकाशवाणी में देवकी की आठवीं संतान से कंस के वध की भविष्यवाणी होने के बाद उसने देवकी की संतानों को जन्म लेते ही मारना शुरू कर दिया। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। मान्यता है कि उनके जन्म के समय कारागार के पहरेदार सो गए और द्वार खुल गए। वसुदेव नवजात श्रीकृष्ण को लेकर यमुना पार करते हुए गोकुल पहुंचे और उन्हे नंद बाबा एवं माता यशोदा के यहां सुरक्षित पहुंचाया। आगे चलकर श्रीकृष्ण ने कंस के अत्याचार का अंत किया और धर्म की स्थापना की। इसी कारण जन्माष्टमी को अधर्म पर धर्म और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक भी माना जाता है।

मंदिरों में सजेगी आकर्षक झांकियां

जन्माष्टमी को लेकर कृष्ण मंदिरों में विशेष सजावट की जाएगी। मंदिरों को फूलों, रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावटी सामग्री से सजाया जाएगा। घरों में भी बाल गोपाल की झांकियां सजाने की तैयारी रहेगी। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को नए वस्त्र, मुकुट, मोरपंख और आभूषणों से सजाया जाएगा। कई स्थानों पर माखन चोरी, गोवर्धन लीला, रासलीला और श्रीकृष्ण जन्म से जुड़ी झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। बच्चे कृष्ण और राधा का रूप धारण कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा

लेंगें। गांवों और शहरों में भजन-कीर्तन, धार्मिक प्रवचन और कृष्ण लीला के आयोजन भी होंगे। जन्माष्टमी पर श्रद्धालु दिनभर व्रत रखकर मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का इंतजार करते हैं। रात 12 बजे मंदिरों में शंख, घंटा-घड़ियाल और जयकारों के बीच जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाए जाएंगे। माखन-मिश्री, फल, मिठाई और अन्य प्रसाद का भोग लगाया जाएगा। भगवान के जन्म के साथ ही मंदिरों और घरों में 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारे गूंजेंगे। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

दही-हांडी और कृष्ण लीला की रहेगी धूम

जन्माष्टमी के अवसर पर कई क्षेत्रों में दही-हांडी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। युवा मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर बंधी दही-हांडी फोड़ेंगे। इसे भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और माखन चोरी की परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। वहीं उत्तर भारत में कृष्ण लीला और रासलीला के आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहते हैं। मथुरा-वृंदावन सहित देश के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, भक्ति, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला उत्सव है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का साथ देने का संदेश देता है। पंडित अखिलेश त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं से जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान की पूजा के साथ उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने, जहरूतमंदों की सहायता करने और समाज में प्रेम व भाईचारे की भावना सजबूत करने का आह्वान किया है। इस वर्ष अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के विशेष संयोग के कारण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धालुओं के लिए और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तीन पिकअप में ट्रंस-ट्रंसकर ले जाए जा रहे 20 मवेशी पकड़े

जैतहरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 21.20 लाख रुपये का माल जब्त,एक आरोपी गिरफ्तार, चालक फरार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

पशु क्रूरता एवं अवैध पशु परिवहन के खिलाफ जैतहरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन पिकअप वाहनों से 20 मवेशियों को बरामद किया है। वाहनों में मवेशियों को रस्सियों से बांधकर ट्रंस-ट्रंसकर क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा था। कार्रवाई में तीन पिकअप वाहन सहित कुल 21 लाख 20 हजार रुपए का माल-मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार 3 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन पिकअप वाहनों में मवेशियों को कटने के लिए मरवाही, छत्तीसगढ़ की ओर से सिवनी-मुंडा मार्ग होते हुए ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश से जैतहरी थाना एवं वेंकटराव पुलिस सहायता केंद्र की तीन टीमें गठित कर सिवनी-मुंडा मार्ग पर नाकाबंदी की गई। कार्रवाई में

छत्तीसगढ़ पुलिस से भी समन्वय किया गया। नाकाबंदी के दौरान तीनों पिकअप वाहन तेज गति से आते दिखाई दिए। पुलिस के रुकने का संकेत देने के बावजूद चालकों ने वाहन नहीं रोके और भागने का प्रयास किया। पुलिस टीमों ने पीछा किया तो चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। वाहनों की तलाशी लेने पर एक पिकअप में सात, दूसरी में छह और तीसरी में सात मवेशी मिले। इनमें एक भैंस मृत अवस्था

काले बादलों और घने कोहरे की चादर में लिपटी पवित्र नगरी, यातायात और रोजगार भी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में बीते एक सप्ताह से रिमझिम बारिश का दौर जारी है। कभी हल्की फुहार, कभी मध्यम वर्षा तो कभी गरज-चमक के साथ तेज बारिश होने से अमरकंटक की धरती पूरी तरह तरबतर हो उठी है। लगातार वर्षा और बादलों की आवाजाही के बीच पवित्र नगरी इन दिनों प्रकृति के मनोहारी वर्षाकालीन रूप में नजर आ रही है। बीते एक सप्ताह से नीले आसमान पर काले बादलों का डेरा बना हुआ है।

आसमान में स्वच्छंद विचरण करते बादल कभी पहाड़ियों को घेर लेते हैं तो कभी अचानक घना कोहरा उतर आता है। बारिश की फुहारों और कोहरे ने अमरकंटक के वातावरण में एक अलग ही प्राकृतिक सौंदर्य घोल दिया है। चारों ओर हरियाली निखर उठी है और पहाड़ियां बादलों की धुंध में लिपटी दिखाई दे रही हैं। लगातार बारिश का



असर अमरकंटक के आवागमन पर भी दिखाई दे रहा है। बारिश के दौरान सड़कों पर फिसलन बढ़ने तथा कई स्थानों पर पानी और कीचड़ जमा होने से वाहन चालकों को सावधानीपूर्वक आवागमन करना पड़ रहा है। घने कोहरे और बारिश के कारण दृश्यता प्रभावित होने से विशेषकर सुबह और शाम के समय वाहन चालकों की परेशानी बढ़

जाती है। लगातार खराब मौसम के चलते स्थानीय एवं बाहरी यात्रियों का आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। वर्षा का सबसे अधिक असर दैनिक मजदूरी पर निर्भर गरीब एवं मजदूर वर्ग पर पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण कई मजदूर काम पर नहीं जा पा रहे हैं, वहीं निर्माण कार्य, भवन निर्माण, सड़क एवं अन्य खुले में होने वाले काम भी

प्रभावित हो रहे हैं। रोज कमाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले मजदूरों को काम नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर होने वाले कई छोटे-मोटे रोजगार और खुले में संचालित कार्य भी प्रभावित हुए हैं। मौसम खराब रहने से कामकाज की गति धीमी हो गई है। मजदूरों और छोटे कामगारों को रोजगार के लिए मौसम साफ होने का इंतजार करना पड़ रहा है। यदि वर्षा का दौर इसी तरह जारी रहा तो दैनिक रोजगार पर निर्भर परिवारों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। लगातार वर्षा के चलते पवित्र नगरी का मौसम काफी ठंडा हो गया है। लगभग एक सप्ताह से भगवान सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पाए हैं। दिनभर गरीब एवं छाप रहने से धूप का अभाव बना हुआ है, जिसके कारण वातावरण में नमी बढ़ गई है। घरों में गीले कपड़े आसानी से सूख नहीं पा रहे हैं और लोगों को नमी तथा ठंडक के कारण

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अमरकंटक में लगातार बादल और वर्षा के कारण अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान के बीच भी मामूली अंतर बना हुआ है। गुरुवार, 3 सितंबर 2026 को यहां अधिकतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में महज तीन डिग्री सेल्सियस के अंतर के कारण दिन और रात दोनों समय ठंडक का अहसास बना रहा। बारिश के बीच अमरकंटक की वादियां, घने जंगल, पहाड़ियां और धार्मिक स्थल बादलों एवं कोहरे की धुंध में ढके हुए हैं। वर्षा की बूंदों से धुली हरियाली और ठंडी हवाएं पवित्र नगरी के प्राकृतिक सौंदर्य को और निखार रही हैं। एक ओर जहां वर्षा ने अमरकंटक की प्राकृतिक छटा को मनोहारी बना दिया है, वहीं दूसरी ओर लगातार बारिश से यातायात, दैनिक रोजगार और आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।

स्कूल में बच्चों को परोसा कीड़े वाला चावल, पानी जैसी दाल

मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर उठे सवाल, कलेक्टर से शिकायत कर जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत पुष्परजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत बसही के ग्राम भरटौला स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला में बच्चों को गुणवत्ताहीन मध्यान्ह भोजन परोसे जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर अनूपपुर को शिकायत पत्र सौंपकर मामले की जांच कर जिम्मेदारों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार शासकीय प्राथमिक पाठशाला भरटौला (बसही), डाइस कोड 23471100502 में महिला स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार किया जाने वाला मध्यान्ह भोजन शासन द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप नहीं दिया जा रहा है। आरोप है कि बच्चों को पानी जैसी पतली दाल परोसी जाती है, जबकि सच्ची में मुख्य रूप से आलू और सोयाबीन की बड़ी का ही उपयोग किया जाता है। ग्रामीणों ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि बच्चों को परोसे जाने वाले चावल में कथित तौर पर कीड़े पाए जाते हैं, जिससे उनकी सेहत को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना शासन की जिम्मेदारी है, ऐसे में भोजन की गुणवत्ता में लापरवाही गंभीर मामला है। शिकायत में मध्यान्ह भोजन के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली खाद्यान्न



सामग्री को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि खाद्यान्न सामग्री स्व-सहायता समूह को उपलब्ध कराने के बजाय कथित रूप से किसी अन्य व्यक्ति के पास रखी जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक इससे विद्यालय में पर्याप्त खाद्य सामग्री उपलब्ध नहीं हो पाती और बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। ग्रामीण शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, खाद्यान्न एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बच्चों को शासन के निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

जहरीले सर्प के डसने से बालक की उपचार दौरान मृत्यु बीमार कोबरा नाग सर्प का सोनमौहरी में सर्पपहरियों ने कराया उपचार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जहरीले सर्प के काटने से 18 वर्ष बालक की जिला चिकित्सालय में उपचार दौरान मृत्यु हो गई वहीं जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर स्थित सोनमौहरी गांव में ग्रामीण के घर के पास बीमार हालत में मिले कोबरा नाग प्रजाति के सर्प का सर्पपहरियों ने पशु चिकित्सालय में उपचार करा कर जान बचाई। बिजुरी थाना अंतर्गत माटांडाड गांव के वाई क्रमांक 4 कटांगलेला निवासी मानसिंह पाव की 18 वर्षीय पुत्र रवि पाव जो 1 सितंबर को अपने दादा को लेकर पड़ोस के गुल्लोडाड गांव में अपनी बुआ पुनिया पाव के यहां जाकर शाम एवं रात को खाना पीना खाने बाद कच्चे घर के अंदर जमीन में सोया रहा कभी रात 3 बजे के लगभग अचानक वह उठकर अपनी बुआ पुनिया को बताना कि मेरे गर्दन में कांन के पास सर्प ने काट लिया है जिसके बाद वह उल्टी करने के साथ बेहोश स्थिति में आ जाने पर परिजनों द्वारा मोटरसाइकिल से उसके गांव माटांडाड ला कर कुछ लोगों से झाड़-फूंक करने पर बालक ही हालत और खराब होने से दो सितंबर की सुबह 8 बजे बिजुरी अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक द्वारा उपचार किया गया। बालक की स्थिति की गंभीरता को देखते चिकित्सक द्वारा जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किए जाने पर अनूपपुर पहुंचने दौरान चिकित्सकों द्वारा उपचार करते हुए बालक की स्थिति गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर



किया गया किंतु परिजनों द्वारा अन्य परिजनों के इंतजार करने की बात कह कर जिला चिकित्सालय में ही उपचार कर रहे थे इसी दौरान शाम को बालक की उपचार दौरान मृत्यु हो गई इसी डॉक्टर हिमांशु पांडेय द्वारा जिला अस्पताल पुलिस को घटना की सूचना दिए जाने पर पुलिस के द्वारा गुरुवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में मृत बालक के शव का पंचनामा कर पी.एम.करा कर बालक के शव का अंतिम संस्कार किए जाने हेतु देहे हुए घटना की जानकारी बिजुरी थाना को अभिम कार्रवाई हेतु दी। वहीं गुरुवार की सुबह जिला मुख्यालय अनूपपुर से 7 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम सोनमौहरी के वाई क्रमांक 16 फुटहाटोला निवासी सुलतान सिंह के घर के पास एक अरबत जहरीला कोबरा नाग जाति के सर्प बीमार एवं अर्ध बेहोश स्थिति में दिखने पर उनके द्वारा फोन से सोनमौहरी बीट के सुरक्षाश्रमिक एवं सर्पपहरी राम सिंह गौड़ को दिए जाने पर जिस राम सिंह तत्काल स्थल पर पहुंचकर सर्प को देखकर उसे अपने पास रखते हुए जिला मुख्यालय अनूपपुर की सर्पपहरी शशिधर अगवाल को अवगत करायी जिस पर कुछ देर बाद कतिम गर्माधान उप केड सोनमौहरी में पदस्थ पशु चिकित्स

क्षेत्रधिकारी रूप सिंह धुवे ने सर्प की स्थिति देखकर अपने वैरिड चिकित्सक डॉ. योगेंद्र दौक्षित से परामर्श लेकर स्वयं एवं केके सांड रक्षक गंगा प्रसाद चक्रवर्ती के साथ-साथ सर्पपहरियों शशिधर अगवाल एवं राम सिंह की उपस्थिति में उपचार किया गया जिसे बेहतर उपचार हेतु राम सिंह अपने पास उपचार हेतु रखे हैं। सर्पपहरियों के प्रयास से एक अत्यंत जहरीले कोबरा नाग प्रजाति के सर्प की जान बच सकी।

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। नगरी अमरकंटक में बुधवार, 2 सितंबर को भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी, मरणी नक्षत्र के पावन संयोग पर हल षष्ठी, हरछठ एवं हलछठ का पर्व श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। पुत्रवती माताओं ने परंपरागत विधि-विधान से हरछठ माता एवं भगवान हलधर बलराम का पूजन-अर्चन कर अपनी संतानों के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, यश, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। हल षष्ठी सनातन परंपरा में मातृत्व की ममता और संतान के मंगल के उद्देश्य भाता भगवान बलराम से संबंधित है। भगवान बलराम को हलधर कहा जाता है और उनका प्रमुख आयुध हल है, इसलिए इस पर्व में हल एवं कृषि परंपरा का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन माताएं व्रत रखकर भगवान बलराम एवं हरछठ माता का स्मरण करती हैं। पूजा के माध्यम से वे अपनी संतानों की रक्षा, आरोग्य, दीर्घायु और जीवन में सुख-समृद्धि की प्रार्थना करती हैं। मां और संतान के बीच के इस पवित्र संबंध को स्मरित यह पर्व भारतीय परिवार व्यवस्था और मातृशक्ति की श्रद्धा को अभिव्यक्त करता है। प्राकृतिक वस्तुओं से जुड़ी है परंपरा हरछठ पूजन की सबसे विशिष्ट परंपराओं में प्राकृतिक रूप से प्राप्त वस्तुओं का उपयोग शामिल है। झरबेरी, पलाश, गुल्म, महुआ, कांस, दातून, विभिन्न प्रकार के अन्न तथा मिट्टी से निर्मित पात्र आदि पूजन सामग्री में शामिल किए जाते हैं। इन वस्तुओं के



माध्यम से प्रकृति, धरती और कृषि के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट किया जाता है। अमरकंटक की प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक भूमि इस परंपरा को और विशेष बना देती है। नर्मदा उद्गम क्षेत्र की वन संपदा और प्राकृतिक परिवेश के बीच मनाया जाने वाला यह पर्व सनातन संस्कृति में प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाता है।

विधि-विधान से हुआ पूजन-अर्चन

बुधवार को पुत्रवती माताओं ने प्रातः स्नान आदि के बाद व्रत धारण